

**पृष्ठविन्यास** पुं. (तत्.) (पृष्ठ+विन्यास) मुद्रणकार्य में पृष्ठ का स्वरूप या पृष्ठ की योजना, किस पृष्ठ पर और पृष्ठ के किस भाग में कौन सी सामग्री छापनी है, इसकी योजना पर्या. अभिन्यास।

**पृष्ठवेदना** स्त्री. (तत्.) पृष्ठ भाग में कमर के पास या मध्य में होने वाला दर्द जो अनेक रोगों का लक्षण या सूचक होता है।

**पृष्ठ शीर्ष** पुं. (तत्.) समाचार पत्रों के प्रत्येक पृष्ठ पर लिखे गए मुख्य समाचार।

**पृष्ठ संख्या** पुं. (तत्.) किसी पुस्तक, पत्रिका, समाचार पत्र आदि के हर पृष्ठ पर अंकित अंक, जिनकी सहायता से पुस्तक की सामग्री सरलता से ढूँढ ली जाती है।

**पृष्ठरज्जु** पुं. (तत्.) प्राणी की पीठ स्थित कोशिकाओं से निर्मित दण्ड के आकार की रस्सी जैसी वह आकृति जो प्राणी के अक्षीय कंकाल के विकास का केंद्र या आधार होती है।

**पृष्ठांकन** पुं. (तत्.) (पृष्ठ+अंकन) पृष्ठ पर अंकित करना 1. वाणि. चेक विनिमय पत्र, हुंडी आदि दस्तावेजों को किसी अन्य पक्ष के नाम अंतरित करने की विधि जिसमें दस्तावेज का धारक दस्तावेज की पीठ पर या हासिए में अंतरिती का नाम लिखकर अथवा बिना कुछ लिखे ही अपना हस्ताक्षर कर देता है, बेचान (endorsement) 2. प्रशा. कोई पत्र, आदेश, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, परिपत्र आदि प्रेषिती (मूल पाने वाले) के अलावा सूचनार्थ अन्य व्यक्तियों कार्यालयों को भी भेजने की क्रिया।

**पृष्ठांकनकर्ता** पुं. (तत्.) चेक के पीछे लिखने वाला या पृष्ठांकन करने वाला, बेचानकर्ता।

**पृष्ठांकित** वि. (तत्.) जिनका पृष्ठांकन किया गया हो जैसे- पृष्ठांकित चेक।

**पृष्ठानुग** वि. (तत्.) (पृष्ठ+अनुग) पीछे चलने वाला, अनुकरण करने वाला या अनुयायी।

**पृष्ठानुगामी** वि. (तत्.) (पृष्ठ+अनुगामी) दे. पृष्ठानुग।

**पृष्ठिका** स्त्री. (तत्.) 1. पीछे का दृश्य 2. किसी घटना या परिस्थिति के उत्पन्न होने के पहले की दशा या पृष्ठभूमि 3. वह स्थान या जगह जिसपर देवमूर्ति स्थापित की गई हो।

**पृष्णि** स्त्री. (तत्.) 1. एड़ी, पिछला भाग 2. प्रकाश किरण 3. बादल 4. देवकी का एक नाम 5. पृथ्वी।

**पेंग** स्त्री. (देश.) 1. झूले के आगे-पीछे आने-जाने के लिए उस पर बैठे हुए दोनों सिरों पर के आदमी बारी-बारी से जोर लगाते हैं इससे झूले में गति तेज होती है अकेला व्यक्ति भी बैठकर तथा उठकर झूले को आगे बढ़ाने का प्रयत्न करता है, इस जोर से चलाने की प्रक्रिया को पेंग कहते हैं 2. चिड़िया विशेष।

**पेंग मारना** क्रि. (तत्.) झूला झूलाने की क्रिया में दोनों सिरों पर बैठे हुए व्यक्तियों द्वारा झूले को वेग लाने के लिए बल लगा कर पैरों से धक्का देना।

**पेंटिंग** स्त्री. (अं.) 1. चित्र 2. चित्रकला 3. किसी मकान या वस्तु आदि को रंगना, रंगसाजी painting

**पेंडसी** स्त्री. (देश.) गाय या भैंस का वह गाढ़ा दूध जो ब्याने या बच्चा पैदा करने के फौरन बाद निकाला जाता है इस दूध में शक्कर, चीनी या गुड़ और सोंठ आदि मिलाकर पकाया जाता है।

**पेंडुकी** स्त्री. (अं.) 1. पंडुक या फाख्ता नाम का पक्षी 2. स्वर्णकारों की फुंकनी 3. एक विशेष पकवान गुड़िया।

**पेंडुलम** पुं. (अं.) 1. दीवार घड़ी में लगा हुआ, लटकता हुआ एक पुरजा जो हमेशा एक ओर से दूसरी ओर गति करता हुआ हिलता रहता है 2. ला. अर्थ. अस्थिरता के लिए प्रयुक्त उदाहरण। pendulum

**पेंदा** पुं. (देश.) किसी वस्तु का निचला भाग जैसे- कोटे का पेंदा, जहाज का पेंदा।

**पेंदी** स्त्री. (देश.) दे. पेंदा।